Question

Q1. Where did the uprising of 1857 start?

1857 का विद्रोह कहाँ से प्रारम्भ हुआ था?

SSC CHSL Tier-1 – 04/08/2023, Shift-I

(a) Meerut – मेरठ

(b) Agra – आगरा

(c) Kanpur – कानपुर

(d) Delhi – दिल्ली

Solution

Correct Answer : (a) Meerut – मेरठ

- **The revolt began on 10th May 1857 at Meerut./** 10 मई 1857 को विद्रोह की शुरुआत मेरठ से हुई थी।
- **The immediate cause was the greased cartridge issue (use of cow and pig fat)./** तत्काल कारण चरबी लगे कारतूसों का प्रयोग था।
- **The soldiers of Meerut marched to Delhi and declared Bahadur Shah II as the emperor./** मेरठ के सिपाहियों ने दिल्ली जाकर बहादुर शाह द्वितीय को सम्राट घोषित किया।
- **Hence, Meerut is known as the starting point of the Revolt of 1857./** इसलिए, 1857 के विद्रोह का प्रारंभिक केंद्र मेरठ माना जाता है।

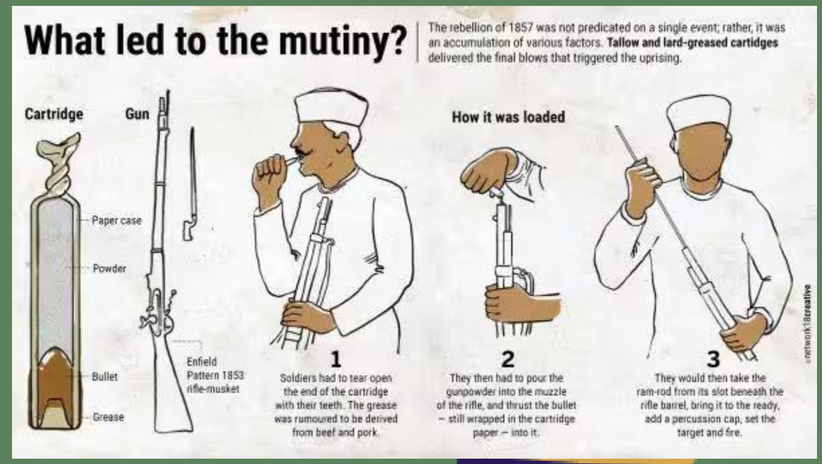

Introduction – Revolt of 1857

- The Revolt of 1857 was the first large-scale uprising against British rule in India./ 1857 का विद्रोह भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध पहला व्यापक विद्रोह था।
- It is popularly known as the First War of Indian Independence./ इसे भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में जाना जाता है।
- The revolt began on 10 May 1857 at Meerut, when Indian sepoys rebelled against British officers./ यह विद्रोह 10 मई 1857 को मेरठ में शुरू हुआ, जब भारतीय सिपाहियों ने ब्रिटिश अधिकारियों के खिलाफ बगावत की।
- It quickly spread to Delhi, Kanpur, Lucknow, Jhansi, Gwalior, and Bihar./ यह शीघ्र ही दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, झांसी, ग्वालियर और बिहार तक फैल गया।

- The movement united soldiers, peasants, zamindars, and local rulers./ इस आंदोलन ने सिपाहियों, किसानों, जमींदारों और स्थानीय शासकों को एकजुट कर दिया।
- Lotus and Roti were used as symbols of unity and rebellion / एकता और विद्रोह के प्रतीक के रूप में कमल और रोटी का प्रयोग किया गया —
  - The Lotus flower circulated among Hindus,/ कमल का फूल हिंदुओं के बीच भेजा गया,
  - The Roti (bread) circulated among Muslims / रोटी (bread) मुसलमानों के बीच भेजी गई —
    - दोनों ने संयुक्त कार्यवाही का आह्वान किया।
- Causes of the revolt included political annexations, economic exploitation, religious interference, and military grievances./ विद्रोह के कारणों में राजनीतिक विलय, आर्थिक शोषण, धार्मिक हस्तक्षेप और सैन्य असंतोष शामिल थे।

- **Though the revolt was unsuccessful militarily, it became a turning point in India's struggle for freedom./** यद्यपि यह विद्रोह सैन्य दृष्टि से असफल रहा, परंतु यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गया।
- **It exposed the depth of resentment against British rule and inspired future nationalist movements./** इसने ब्रिटिश शासन के प्रति गहरी नाराज़गी को उजागर किया और भविष्य के राष्ट्रीय आंदोलनों को प्रेरित किया।

Question

Q2. Which of the following was not a reason for making the sepoys of the East India Company rebellious?
निम्नलिखित में से कौन-सा कारण ईस्ट इंडिया कंपनी के सिपाहियों को विद्रोही बनाने का कारण नहीं था?

B.P.S.C. Pre 2018

(a) The efforts of the officers of the company to spread Christianity – कंपनी के अधिकारियों द्वारा ईसाई धर्म फैलाने के प्रयास
(b) The order to the sepoys to travel on ships – सिपाहियों को जहाजों पर यात्रा करने का आदेश
(c) The stoppage of Bhatta – भत्ता बंद कर देना
(d) The inefficiency of the officers – अधिकारियों की अक्षमता
(e) None of the above / More than one of the above – उपरोक्त में से कोई नहीं / एक से अधिक

Solution

Correct Answer : (d) The inefficiency of the officers – अधिकारियों की अक्षमता

- **The revolt was mainly due to religious interference, economic issues, and military grievances./** विद्रोह के मुख्य कारण धार्मिक हस्तक्षेप, आर्थिक समस्याएँ और सैन्य असंतोष थे।
- **The inefficiency of officers was not a major cause./** अधिकारियों की अक्षमता मुख्य कारण नहीं थी।
- **The main triggers were greased cartridges, loss of bhatta, and fear of Christianization./** प्रमुख कारण चरबी वाले कारतूस, भत्ता समाप्ति, और ईसाईकरण का भय थे।

Revolt of 1857 (First War of Indian Independence)

Nature / प्रकृति –

- ✓ The first large-scale armed uprising against British rule in India./ भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध पहला व्यापक सशस्त्र विद्रोह था।

Year / वर्ष –

- ✓ 1857–1858. 1857–1858।

Immediate Cause / तात्कालिक कारण –

- ✓ Introduction of Enfield Rifle; cartridges greased with cow and pig fat offended Hindu and Muslim soldiers' religious sentiments./ एनफील्ड राइफल का परिचय; इसकी कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी लगी होने से हिंदू और मुस्लिम सिपाहियों की धार्मिक भावनाएँ आहत हुईं।

Political Causes / राजनीतिक कारण –

- ✓ Doctrine of Lapse (by Lord Dalhousie)./ लॉर्ड डलहौजी की "लैप्स की नीति" (Doctrine of Lapse)।
- ✓ Annexation of states like Jhansi, Satara, Nagpur, Awadh./ झांसी, सतारा, नागपुर और अवध जैसे राज्यों का विलय।
- ✓ Disrespect towards Indian princes and rulers./ भारतीय राजकुमारों और शासकों के प्रति अनादर।

Economic Causes / आर्थिक कारण –

- ✓ Heavy land revenue and destruction of traditional industries./ अत्यधिक भू-राजस्व और पारंपरिक उद्योगों का विनाश।
- ✓ Exploitative British economic policies ruined peasants and artisans./ ब्रिटिश शोषणकारी आर्थिक नीतियों ने किसानों और कारीगरों को बर्बाद कर दिया।

Military Causes / सैन्य कारण –

- ✓ Discrimination in pay and promotion of Indian soldiers./ भारतीय सैनिकों के वेतन और पदोन्नति में भेदभाव।
- ✓ Posting sepoys abroad offended religious beliefs./ सिपाहियों को विदेश भेजने से उनकी धार्मिक मान्यताएँ आहत हुईं।

Social & Religious Causes / सामाजिक एवं धार्मिक कारण –

- ✓ Fear of Christian conversion and Western reforms (widow remarriage, education)./ ईसाई धर्म में जबरन परिवर्तन और पाश्चात्य सुधारों (जैसे विधवा पुनर्विवाह, शिक्षा) का भय।
- ✓ Decline of traditional Indian values./ भारतीय पारंपरिक मूल्यों का ह्रास।

Question

Q3. Which of the following groups did not participate in the revolt of 1857?

निम्नलिखित में से किस वर्ग ने 1857 के विद्रोह में भाग नहीं लिया था?

1. Agricultural Labour / कृषि श्रमिक
2. Sahukar /साहूकार
3. Farmers/किसानों
4. Landlords/जमींदारों

40th B.P.S.C. Pre 1995

(a) Only 1 – केवल 1
(b) 1 and 2 – 1 और 2
(c) Only 2 – केवल 2
(d) 2 and 4 – 2 और 4

Solution

Correct Answer : (d) 2 and 4 – 2 और 4

Participation in the Revolt of 1857

Sepoys (Soldiers) / सिपाही (सैनिक) –

- **Main force; started revolt at Meerut and spread across North India./ मुख्य शक्ति; विद्रोह मेरठ से शुरू किया और पूरे उत्तर भारत में फैलाया।**

Rulers & Princes / शासक एवं राजकुमार –

- **Joined due to annexations (e.g., Rani Lakshmi Bai – Jhansi, Nana Saheb – Kanpur, Begum Hazrat Mahal – Awadh, Kunwar Singh – Bihar)./ राज्यों के विलय के कारण शामिल हुए (जैसे – रानी लक्ष्मीबाई – झांसी, नाना साहेब – कानपुर, बेगम हज़रत महल – अवध, कुंवर सिंह – बिहार)।**

Solution

Peasants / किसान –

- **Angry over heavy taxes and land confiscation./** भारी करों और भूमि छिन जाने से नाराज़ थे।

Artisans / कारीगर –

- **Suffered due to British economic policies; supported boycott of foreign goods./** ब्रिटिश आर्थिक नीतियों से प्रभावित; विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का समर्थन किया।

Women Leaders / महिला नेता –

- **Rani Lakshmi Bai and Begum Hazrat Mahal led armies courageously./** रानी लक्ष्मीबाई और बेगम हज़रत महल ने साहसपूर्वक सेनाओं का नेतृत्व किया।

Regions Active / सक्रिय क्षेत्र –

- **Delhi, Awadh, Kanpur, Jhansi, Gwalior, Bihar showed major uprisings./** दिल्ली, अवध, कानपुर, झांसी, ग्वालियर और बिहार में प्रमुख विद्रोह हुए।

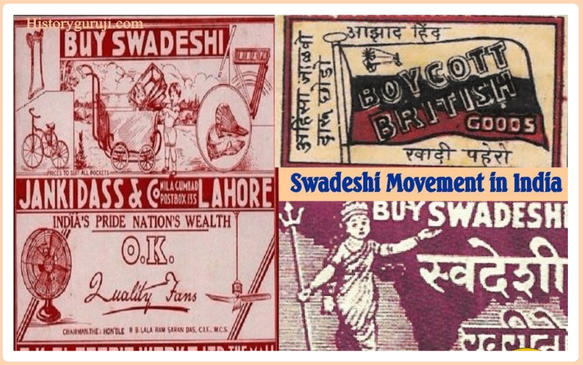

Solution

Non-Participation in the Revolt of 1857

- **Punjab / पंजाब – Sikh rulers and soldiers supported the British./ सिख शासकों और सैनिकों ने ब्रिटिशों का समर्थन किया।**

- **Rajasthan / राजस्थान – Jaipur, Jodhpur, Udaipur remained loyal to British./ जयपुर, जोधपुर और उदयपुर ब्रिटिशों के प्रति वफादार रहे।**

- **Southern India / दक्षिण भारत – Madras, Mysore, Hyderabad did not participate./ मद्रास, मैसूर और हैदराबाद ने भाग नहीं लिया।**

- **Western India / पश्चिम भारत – Bombay Presidency and Gujarat stayed peaceful./ बंबई प्रेसीडेंसी और गुजरात शांत बने रहे।**

Solution

Princely States / देशी रियासतें –

- **Scindia of Gwalior, Holkar of Indore, Nizam of Hyderabad, Rana of Nepal helped the British./ ग्वालियर के सिंधिया, इंदौर के होल्कर, हैदराबाद के निज़ाम और नेपाल के राणा ने ब्रिटिशों की सहायता की।**

Reason / कारण –

- **Fear of losing privileges, lack of unity, and distance from revolt centres.**
- **विशेषाधिकार खोने का भय, एकता की कमी और विद्रोह के केंद्रों से दूरी।**

Question

Q4. Match List I with List II and select the correct answer by using the code given below:/ सूची-I को सूची-II से मिलाइए और दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

U.P.P.C.S. Pre 2010

List-I / सूची-I	List-II / सूची-II
A. Jhansi – झाँसी	1. Maulvi Ahmad Shah – मौलवी अहमद शाह
B. Lucknow – लखनऊ	2. Azimullah Khan – अजीमुल्ला ख़ाँ
C. Kanpur – कानपुर	3. Begum Hazrat Mahal – बेगम हज़रत महल
D. Faizabad – फैज़ाबाद	4. Rani Laxmibai – रानी लक्ष्मीबाई

(a) 4 3 2 1 (b) 3 2 1 4

(c) 2 1 4 3 (d) 1 2 3 4

Solution

Correct Answer : (a) 4 3 2 1

Major Leaders and Centres

Region	Leader(s)
Delhi	Bahadur Shah II, Bakht Khan
Kanpur	Nana Saheb, Tantia Tope, Azimullah Khan (Chief Advisor and Political Secretary to Nana Saheb/ नाना साहब के मुख्य सलाहकार और राजनीतिक सचिव)
Lucknow	Begum Hazrat Mahal
Jhansi	Rani Lakshmi Bai
Bihar	Kunwar Singh
Faizabad	Maulvi Ahmadullah

QUESTION

Q5. Which of the following battles did Maulvi Ahmadullah Shah fight, defeating the forces under Henry Lawrence?

मौलवी अहमदुल्ला शाह ने हेनरी लॉरेंस की सेना को पराजित करते हुए निम्नलिखित में से कौन-सी लड़ाई लड़ी थी?

SSC CHSL 04/08/2021, Shift-III

(a) Battle of Kintoor – किटूर का युद्ध
(b) Battle of Saragarhi – सारागढ़ी का युद्ध
(c) Battle of Chinhat – चिनहट का युद्ध
(d) Battle of Naafgarh – नाफगढ़ का युद्ध

SOLUTION

Correct Answer : (c) Battle of Chinhat – चिनहट का युद्ध

- **The Battle of Chinhat (30 June 1857) was fought near Lucknow./** चिनहट का युद्ध (30 जून 1857) लखनऊ के पास लड़ा गया था।
- **Maulvi Ahmadullah Shah led Indian rebels and defeated British forces under Henry Lawrence./** मौलवी अहमदुल्ला शाह ने भारतीय विद्रोहियों का नेतृत्व किया और हेनरी लॉरेंस की सेना को हराया।

Major Leaders, Centres & British Officers Who Suppressed the Revolt (1857–1858)

Centre of Revolt	Indian Leader(s)	British Officer(s) Who Suppressed It
Delhi	Bahadur Shah II, Bakht Khan	General Nicholson, Colonel Hudson, General Archdale Wilson
Kanpur (Cawnpore)	Nana Saheb, Tantia Tope, Azimullah Khan	General Havelock, General Colin Campbell, General Neill
Lucknow (Awadh)	Begum Hazrat Mahal, Birjis Qadr	Henry Lawrence, Sir Colin Campbell, Outram
Jhansi	Rani Lakshmi Bai	Sir Hugh Rose
Gwalior	Rani Lakshmi Bai, Tantia Tope	Sir Hugh Rose
Bihar (Arrah)	Kunwar Singh, Amar Singh	William Taylor, Vincent Eyre
Faizabad	Maulvi Ahmadullah Shah	Campbell
Bareilly	Khan Bahadur Khan	Colonel Troup, Barronet Jones
Allahabad & Banaras	Maulvi Liaquat Ali	Colonel Onslow, Neville Chamberlain
Indore	Tatya Tope (supporter)	Sir Hugh Rose
Rohilkhand	Khan Bahadur Khan	Col. Jones
Delhi Region (support)	Bakht Khan (Commander of Delhi Forces)	John Nicholson, Archdale Wilson

Question

Q6. Assertion (A): The first war of Independence in 1857 failed to secure freedom from the British Government./ अभिकथन (A): 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करने में असफल रहा।

Reason (R): The leadership of Bahadur Shah Zafar did not have popular support and most of the Indian rulers of important states shied away from the struggle./ कारण (R): बहादुर शाह ज़फर का नेतृत्व जनसमर्थन प्राप्त नहीं कर सका और अधिकांश भारतीय राज्य के शासक संघर्ष से दूर रहे।

39th B.P.S.C. Pre 1994

(a) Both (A) and (R) are true, and (R) is the correct explanation of (A). – दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A). – दोनों सही हैं पर (R) सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) is true, and (R) is false. – (A) सही है और (R) गलत है।

(d) (A) is false, but (R) is true. – (A) गलत है और (R) सही है।

Solution

 Correct Answer : (a) Both (A) and (R) are true, and (R) is the correct explanation of (A).

Reasons for the Failure of the Revolt of 1857

1. Lack of Unity and Common Aim / एकता एवं समान उद्देश्य का अभाव–

- **No common plan or national leadership./** कोई समान योजना या राष्ट्रीय नेतृत्व नहीं था।
- **Rebels fought for local interests, not for a united India./** विद्रोहियों ने स्थानीय हितों के लिए लड़ाई लड़ी, न कि एक संयुक्त भारत के लिए।

Limited Spread / सीमित विस्तार –

- **Revolt confined mainly to North and Central India./** विद्रोह मुख्यतः उत्तर और मध्य भारत तक सीमित रहा।
- **South India, Punjab, Bengal, and Bombay Presidency remained mostly peaceful./** दक्षिण भारत, पंजाब, बंगाल और बंबई प्रेसीडेंसी अधिकांशतः शांत रहे।

Absence of Modern Weapons and Organization / आधुनिक हथियारों और संगठन का अभाव –

- **Indian soldiers used outdated arms./** भारतीय सैनिक पुराने हथियारों का उपयोग कर रहे थे।
- **British had superior military technology and better discipline./** ब्रिटिशों के पास उन्नत सैन्य तकनीक और बेहतर अनुशासन था।

Support to British from Rulers and Princes / शासकों और राजकुमारों द्वारा ब्रिटिशों को समर्थन –

- **Scindia of Gwalior, Nizam of Hyderabad, Rana of Nepal, Holkar of Indore, and Sikh rulers supported the British./** ग्वालियर के सिंधिया, हैदराबाद के निज़ाम, नेपाल के राणा, इंदौर के होल्कर और सिख शासकों ने ब्रिटिशों की सहायता की।

5. Lack of Coordination / समन्वय का अभाव –

Rebels acted independently with no central command or communication network./ विद्रोही बिना किसी केंद्रीय आदेश या संचार व्यवस्था के स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहे थे।

6. No Clear Political Programme / स्पष्ट राजनीतिक कार्यक्रम का अभाव –

Rebels had no future plan or vision for governance after overthrowing British rule./ ब्रिटिश शासन को हटाने के बाद शासन व्यवस्था के लिए कोई भविष्य योजना या दृष्टिकोण नहीं था।

7. Better British Resources and Leadership / ब्रिटिशों के बेहतर संसाधन एवं नेतृत्व –

British had trained officers, financial resources, and telegraph communication to coordinate quickly./ ब्रिटिशों के पास प्रशिक्षित अधिकारी, वित्तीय संसाधन और टेलीग्राफ जैसी तेज संचार प्रणाली थी।

8. Neutrality of Educated Indians / शिक्षित भारतीयों की निष्क्रियता–

- The educated middle class and zamindars did not join the revolt fearing loss of privileges./ शिक्षित मध्यम वर्ग और जमींदारों ने विशेषाधिकार खोने के डर से विद्रोह में भाग नहीं लिया।

9. Limited National Consciousness / सीमित राष्ट्रीय चेतना–

- People still had regional loyalties; the idea of nationalism was not fully developed./ लोग अभी भी प्रांतीय निष्ठा रखते थे; राष्ट्रवाद की भावना पूर्ण रूप से विकसित नहीं हुई थी।

10. Immediate British Retaliation / ब्रिटिशों की त्वरित प्रतिक्रिया–

- Quick and brutal suppression by leaders like Hugh Rose, Colin Campbell, and Havelock crushed the revolt by 1858./ ह्यूग रोज़, कॉलिन कैंपबेल और हैवेलॉक जैसे ब्रिटिश सेनापतियों द्वारा की गई त्वरित और कठोर कार्रवाई ने 1858 तक विद्रोह को समाप्त कर दिया।

Question

Q7. What was/were the object/objects of Queen Victoria's Proclamation (1858)?

क्वीन विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858) के उद्देश्य क्या थे?

1. To disclaim any intention to annex the Indian States/ भारतीय राज्यों को अपने कब्जे में लेने के किसी भी इरादे से इनकार करना

2. To place the Indian administration under the British Crown/ भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश क्राउन के अधीन करना

3. To regulate East India Company's trade with India/ ईस्ट इंडिया कंपनी के भारत के साथ व्यापार को रेगुलेट करना

I.A.S. (Pre) 2014

(a) 1 and 2 only – केवल 1 और 2

(b) 2 only – केवल 2

(c) 1 and 3 only – केवल 1 और 3

(d) 3 only – केवल 3

Solution

 Correct Answer : (a) 1 and 2 only – केवल 1 और 2

Objectives of Queen Victoria's Proclamation – 1858

End of Company Rule / कंपनी शासन का अंत –

- Announced the transfer of power from the East India Company to the British Crown./ ईस्ट इंडिया कंपनी से सत्ता को ब्रिटिश क्राउन (राजसत्ता) को हस्तांतरित करने की घोषणा की गई।

Assurance of Equal Treatment / समान व्यवहार का आश्वासन –

- Promised equal protection under law for Indians and British subjects./ भारतीयों और ब्रिटिश प्रजा दोनों को समान कानूनी संरक्षण देने का वादा किया गया।

Religious Tolerance / धार्मिक सहिष्णुता –

- Declared that the British Government would not interfere in religious matters of Indians./ ब्रिटिश सरकार ने घोषणा की कि वह भारतीयों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

Protection of Indian Princes / भारतीय राजकुमारों की सुरक्षा –

- Guaranteed non-annexation and respect for treaties with Indian princely states./ देशी रियासतों के साथ किए गए संधियों का सम्मान करने और उनके विलय न करने का आश्वासन दिया गया।

Employment Opportunities / रोजगार के अवसर –

- Promised that Indians would be eligible for government services, based on education and merit.
- यह वादा किया गया कि शिक्षित और योग्य भारतीयों को सरकारी सेवाओं में अवसर दिया जाएगा।

Pardon to Rebels / विद्रोहियों को क्षमादान –

- Offered general amnesty (except to those guilty of murder) to those involved in the Revolt of 1857./ 1857 के विद्रोह में शामिल लोगों को सामान्य क्षमादान दिया गया (हत्या जैसे गंभीर अपराधों को छोड़कर)।

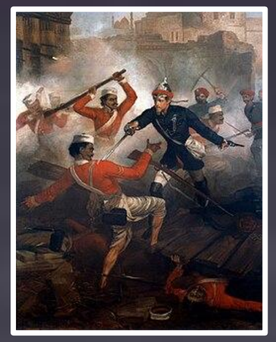

Administrative Reforms / प्रशासनिक सुधार –

- Assured justice, peace, and good governance in India./ भारत में न्याय, शांति और सुशासन सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया।

Objective of British Rule / ब्रिटिश शासन का उद्देश्य –

- Claimed that Britain sought the welfare of Indians, not expansion or conquest./ ब्रिटेन ने यह दावा किया कि उसका उद्देश्य भारत का कल्याण है, न कि विस्तार या विजय।

QUESTION

Q8. The Indian Mutiny of 1857 effectively ended in the city of ____.

1857 का भारतीय विद्रोह प्रभावी रूप से किस नगर में समाप्त हुआ था?

SSC CHSL 12/08/2021, Shift-I

(a) Lucknow – लखनऊ

(b) Amritsar – अमृतसर

(c) Gwalior – ग्वालियर

(d) Vadodara – वडोदरा

SOLUTION

Correct Answer : (c) Gwalior – ग्वालियर

- **The revolt ended with the defeat of Rani Laxmibai and Tantia Tope at Gwalior./** विद्रोह का अंत ग्वालियर में रानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे की हार के साथ हुआ।
- **It marked the final suppression of the 1857 revolt./** यह 1857 के विद्रोह के पूर्ण दमन का संकेत था।

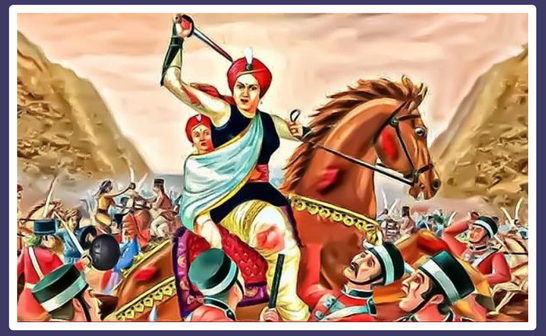

End of the Revolt of 1857

1. Suppression Completed / विद्रोह का दमन पूर्ण हुआ –

- The revolt was completely suppressed by mid-1858./ यह विद्रोह 1858 के मध्य तक पूरी तरह समाप्त कर दिया गया।

2. Fall of Delhi (1857) / दिल्ली का पतन (1857) –

- Bahadur Shah II was captured; the Mughal Empire officially ended./ बहादुर शाह द्वितीय को पकड़ लिया गया; मुगल साम्राज्य का आधिकारिक अंत हो गया।

3. Death of Leaders / नेताओं की मृत्यु –

- Rani Lakshmi Bai died fighting at Gwalior (1858)./ रानी लक्ष्मीबाई 1858 में ग्वालियर में युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त हुईं।
- Kunwar Singh, Tantia Tope, and other leaders were killed or executed./ कुंवर सिंह, तात्या टोपे और अन्य नेता मारे गए या फांसी दे दिए गए।

4. British Retaliation / ब्रिटिश प्रतिशोध –

- The British used severe repression — executions, confiscation of property, and destruction of villages./ ब्रिटिशों ने कठोर दमन किया — लोगों को फांसी दी, संपत्तियाँ जब्त कीं और गाँवों को नष्ट कर दिया।

5. End Marked By / अंत का संकेत –

- The Queen's Proclamation of 1858 announced the end of Company rule and transfer of power to the British Crown./ 1858 की रानी की घोषणा ने कंपनी शासन के अंत और सत्ता को ब्रिटिश क्राउन को हस्तांतरित करने की घोषणा की।

Effects / Consequences of the Revolt of 1857 / 1857 के विद्रोह के प्रभाव या परिणाम

1. End of East India Company's Rule / ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत –

- India came directly under the British Crown through the Government of India Act, 1858./ भारत को 1858 के भारतीय शासन अधिनियम (Government of India Act) के तहत सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन कर दिया गया।

2. Queen Victoria's Proclamation (1858) / रानी विक्टोरिया की घोषणा (1858) –

- Promised equal treatment, religious freedom, and no further annexations./ समान व्यवहार, धार्मिक स्वतंत्रता और राज्यों के विलय को रोकने का वादा किया गया।

3. Administrative Changes / प्रशासनिक परिवर्तन –

- A new post of Secretary of State for India was created in the British Cabinet./ ब्रिटिश कैबिनेट में भारत सचिव का नया पद सृजित किया गया।
- A Council of India (15 members) was set up to assist him./ भारत परिषद (15 सदस्यों वाली) की स्थापना की गई जो भारत सचिव की सहायता करती थी।

4. Army Reorganization / सेना का पुनर्गठन –

- Ratio of British to Indian soldiers increased to prevent future revolts./ भविष्य के विद्रोहों को रोकने के लिए ब्रिटिश सैनिकों की संख्या भारतीयों से अधिक कर दी गई।
- Artillery and key positions kept under British control./ तोपखाना और प्रमुख पद ब्रिटिशों के नियंत्रण में रखे गए।

5. Policy towards Princes / रियासतों के प्रति नीति –

- The Doctrine of Lapse was abolished; loyalty of princes encouraged./ लैप्स की नीति समाप्त कर दी गई और रियासतों की निष्ठा को प्रोत्साहित किया गया।

6. Changes in Policy / नीतियों में परिवर्तन –

- The British followed a policy of divide and rule — promoting communal and regional divisions./ ब्रिटिशों ने "फूट डालो और राज करो" की नीति अपनाई — साम्प्रदायिक और प्रांतीय भेदभाव को बढ़ावा दिया।

7. Economic Impact / आर्थिक प्रभाव –

- Increased economic exploitation, higher taxation, and expansion of British trade interests./ आर्थिक शोषण बढ़ गया, करों में वृद्धि हुई और ब्रिटिश व्यापारिक हितों का विस्तार हुआ।

8. Rise of Nationalism / राष्ट्रवाद का उदय –

- Though failed, it awakened national consciousness and became the foundation for future freedom struggles./ यद्यपि यह विद्रोह असफल रहा, परंतु इसने राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया और भविष्य के स्वतंत्रता आंदोलनों की नींव रखी।

QUESTION

Q9. Mutiny of 1857 was described as the First War of Independence by:

1857 के विद्रोह को 'भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' किसने कहा था?

SSC CGL Tier-1, 09-09-2016, 4:15 PM

(a) Bal Gangadhar Tilak – बाल गंगाधर तिलक
(b) Subhash Chandra Bose – सुभाष चंद्र बोस
(c) Bhagat Singh – भगत सिंह
(d) V.D. Savarkar – वी. डी. सावरकर

SOLUTION

Correct Answer : (d) V.D. Savarkar – वी. डी. सावरकर

- **V.D. Savarkar wrote the book "The Indian War of Independence 1857"./** वी. डी. सावरकर ने “द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस 1857” नामक पुस्तक लिखी।
- **He called the revolt the first national struggle against British rule./** उन्होंने इस विद्रोह को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध पहला राष्ट्रीय संघर्ष कहा।

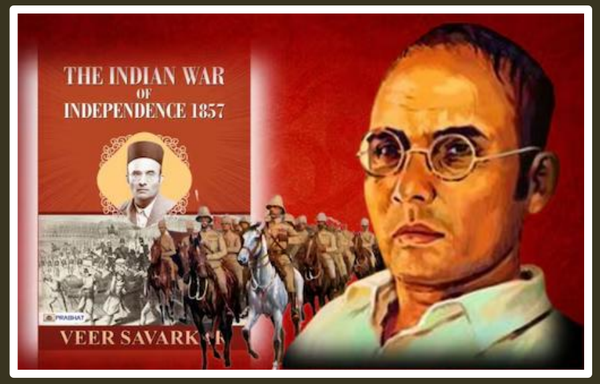

Authors and Their Views on the Revolt of 1857

Author / Historian	Work / Reference	View / Definition of the Revolt of 1857
Karl Marx	**Articles in New York Daily Tribune (1857)**	Described it as a national revolt and the “First Indian War of Independence.”/ इसे एक राष्ट्रीय विद्रोह और “भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम” बताया गया।
Benjamin Disraeli	**British Politician**	Called it a “national revolt” against British authority./ इसे ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध एक “राष्ट्रीय विद्रोह” कहा गया।
V.D. Savarkar	**The Indian War of Independence (1909)**	First Indian author to describe it as “The First War of Independence.”/ इसे “प्रथम स्वतंत्रता संग्राम” कहने वाले पहले भारतीय लेखक थे।
R.C. Majumdar	**The Sepoy Mutiny and the Revolt of 1857**	Considered it primarily a military mutiny, not a national war./ इसे मुख्यतः एक सैन्य बगावत माना गया, न कि राष्ट्रीय युद्ध।
S.N. Sen	Eighteen Fifty-Seven	Viewed it as a combination of political, economic, and military discontent./ इसे राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य असंतोष के मिश्रण के रूप में देखा गया।

Authors and Their Views on the Revolt of 1857

Author / Historian	Work / Reference	View / Definition of the Revolt of 1857
Dr. S.N. Banerjee	Historian	Saw it as a revolt of old India against the new./ इसे “पुराने भारत का नए भारत के विरुद्ध विद्रोह” कहा गया।
T.R. Holmes	A History of the Indian Mutiny	Called it a sepoy mutiny with local uprisings./ इसे “सिपाही विद्रोह” कहा गया, जिसमें स्थानीय आंदोलन भी सम्मिलित थे।
Sir John Seeley	British Historian	Termed it a rebellion, not a national revolt./ इसे एक “विद्रोह” कहा गया, परंतु “राष्ट्रीय आंदोलन” नहीं माना गया।
Jawaharlal Nehru	Discovery of India	Recognized it as the first organized expression of Indian nationalism./ इसे भारतीय राष्ट्रवाद की पहली संगठित अभिव्यक्ति के रूप में स्वीकार किया गया।
Percival Spear	A History of India	Saw it as a series of local revolts rather than a national war./ इसे राष्ट्रीय युद्ध के बजाय स्थानीय विद्रोहों की श्रृंखला के रूप में देखा गया।
K. M. Panikkar	Indian Historian	Viewed it as the beginning of India’s national awakening./ इसे भारत की राष्ट्रीय चेतना के प्रारंभ के रूप में देखा गया।

Question

I.A.S. Pre 1999

Q10. Consider the following events:

निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए:

1. Indigo Revolt – नील विद्रोह
2. Santhal Rebellion – संथाल विद्रोह
3. Deccan Riot – दक्कन दंगे
4. Mutiny of the Sepoys – सिपाही विद्रोह

The correct chronological sequence of these events is:

इन घटनाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम है:

(a) 4, 2, 1, 3

(b) 4, 2, 3, 1

(c) 2, 4, 3, 1

(d) 2, 4, 1, 3

Solution

Correct Answer : (d) 2, 4, 1, 3

- Santhal Rebellion – 1855–56
- Sepoy Mutiny – 1857
- Indigo Revolt – 1859–60
- Deccan Riots – 1875

Year / वर्ष	Name of Revolt / Movement / विद्रोह या आंदोलन का नाम	Leader(s) / नेता(गण)	Region / क्षेत्र	Nature / Significance / स्वरूप एवं महत्व
1860–1861	Indigo Revolt / नील विद्रोह	Digambar Biswas, Bishnu Biswas	Bengal / बंगाल	Peasants revolted against European indigo planters; protested forced cultivation. / किसानों ने यूरोपीय नील किसानों के खिलाफ जबरन खेती का विरोध किया।
1879–1882	Pabna Agrarian Uprising / पबना कृषक आंदोलन	Peasant leaders (Ryots) / कृषक नेता	East Bengal (now Bangladesh) / पूर्व बंगाल (अब बांग्लादेश)	Protest against oppressive zamindars; led to tenancy reforms. / जमींदारों के अत्याचार के विरोध में; भूमि सुधारों की शुरुआत हुई।
1875	Deccan Riots / दक्कन दंगे	Peasants (no single leader) / किसान (कोई प्रमुख नेता नहीं)	Poona, Ahmednagar (Maharashtra) / पुणे, अहमदनगर (महाराष्ट्र)	Against moneylenders' exploitation; led to Deccan Agriculturists' Relief Act (1879). / साहूकारों के शोषण के खिलाफ; दक्कन कृषक राहत अधिनियम (1879) पारित हुआ।

Year / वर्ष	Name of Revolt / Movement / विद्रोह या आंदोलन का नाम	Leader(s) / नेता(गण)	Region / क्षेत्र	Nature / Significance / स्वरूप एवं महत्व
1899–1900	Munda Rebellion (Ulgulan) / मुंडा विद्रोह (उलगुलान)	Birsa Munda / बिरसा मुंडा	Ranchi (Chotanagpur, Jharkhand) / रांची (छोटानागपुर, झारखंड)	Revolt against British forest laws and missionaries; demanded Munda Raj. / ब्रिटिश वन कानूनों और मिशनरियों के विरुद्ध विद्रोह; मुंडा राज की मांग।
1910	Bastar Rebellion / बस्तर विद्रोह	Gunda Dhur / गुंडा धुर	Bastar (Chhattisgarh) / बस्तर (छत्तीसगढ़)	Tribal uprising against forest restrictions and British officials. / वन कानूनों और ब्रिटिश अधिकारियों के खिलाफ जनजातीय विद्रोह।
1914–1915	Ghadar Movement / गदर आंदोलन	Lala Hardayal, Sohan Singh Bhakna, Tarak Nath Das / लाला हरदयाल, सोहन सिंह भकना, तारक नाथ दास	Abroad (USA, Canada) & Punjab / विदेश (अमेरिका, कनाडा) एवं पंजाब	Planned armed revolt for Indian independence from outside India. / भारत की स्वतंत्रता के लिए विदेश से सशस्त्र क्रांति की योजना।

Year / वर्ष	Name of Revolt / Movement / विद्रोह या आंदोलन का नाम	Leader(s) / नेता(गण)	Region / क्षेत्र	Nature / Significance / स्वरूप एवं महत्व
1919	Jallianwala Bagh Protest	–	Amritsar, Punjab / अमृतसर, पंजाब	Massacre by General Dyer; turning point in freedom movement. / जनरल डायर द्वारा नरसंहार; स्वतंत्रता आंदोलन का मोड़।
1921	Moplah (Mappila) Rebellion / मोपला विद्रोह	Muslim peasants / मुस्लिम किसान	Malabar (Kerala) / मालाबार (केरल)	Against British rule and oppressive landlords during Khilafat Movement. / खिलाफत आंदोलन के दौरान ब्रिटिश शासन और जमींदारों के विरुद्ध विद्रोह।
1922	Chauri Chaura Incident / चौरी चौरा घटना	Peasants and volunteers / किसान एवं स्वयंसेवक	Gorakhpur (U.P.) / गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)	Protest turned violent; led Gandhi to suspend Non-Cooperation Movement. / विरोध हिंसक हुआ; गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।
1930–31	Civil Disobedience Movement / सविनय अवज्ञा आंदोलन	Mahatma Gandhi / महात्मा गांधी	Nationwide / पूरे देश में	Mass protest against British salt tax; part of independence struggle. / नमक कर के विरोध में व्यापक आंदोलन; स्वतंत्रता संघर्ष का हिस्सा।
1942	Quit India Movement / भारत छोड़ो आंदोलन	Mahatma Gandhi, Congress leaders	Nationwide / पूरे देश में	Final mass uprising demanding British withdrawal from India. / भारत से ब्रिटिशों की वापसी की मांग वाला अंतिम जनआंदोलन।

Question

Q11. Match List-I with List-II and select the correct answer from the code given below the lists:/ सूची-I को सूची-II से मिलाइए और नीचे दिए गए कोड से सही उत्तर चुनिए:

List-I (Revolt/Movement) / विद्रोह या आंदोलन	List-II (Year) / वर्ष
A. Tebhaga Movement – तेभागा आंदोलन	4. 1946–47
B. Mopla Rebellion – मोपला विद्रोह	3. 1921
C. Pabna Peasant Revolt – पबना किसान विद्रोह	2. 1879–80
D. Bengal Indigo Revolt – बंगाल नील विद्रोह	1. 1859–60

U.P.R.O./A.R.O. Mains 2016 / SSC CGL 2023 / SSC Selection Posts XI 2023

(a) 1 2 3 4

(b) 4 2 3 1

(c) 2 3 4 1

(d) 4 3 2 1

Solution

Correct Answer : (b) 4 2 3 1

- **Tebhaga Movement** → 1946–47 (Bengal)
- **Mopla Rebellion** → 1921 (Kerala)
- **Pabna Peasant Revolt** → 1879–80 (Bengal)
- **Indigo Revolt** → 1859–60 (Bengal)

Major Peasant Movements in India

Movement / Revolt	Year(s)	Region	Leader(s)	Main Cause / Features
Indigo Revolt	1859–60	Bengal	Digambar Biswas, Bishnu Biswas	Peasants opposed forced cultivation of indigo by European planters./ किसानों ने यूरोपीय नील किसानों द्वारा जबरन नील की खेती का विरोध किया।
Pabna Agrarian Uprising	1873–75	East Bengal (now Bangladesh)	Local ryots (peasants)	Against zamindars' illegal rents and forced evictions./ ज़मींदारों द्वारा अवैध किराया वसूलने और जबरन बेदखली के खिलाफ आंदोलन किया गया।
Deccan Riots	1875	Poona & Ahmednagar (Maharashtra)	Peasants (Ryots)	Revolt against exploitation by moneylenders; led to the Deccan Agriculturists' Relief Act (1879)./ साहूकारों के शोषण के खिलाफ विद्रोह; जिसके परिणामस्वरूप दक्कन कृषक राहत अधिनियम (1879) पारित हुआ।
Eka Movement	1921–22	Awadh (U.P.)	Madari Pasi, Congress–Khilafat workers	Protest against high rents and exploitation by landlords./ उच्च किरायों और ज़मींदारों के शोषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया।
Kisan Sabha Movement	1919–20 onwards	U.P., Bihar	Gauri Shankar Mishra, Indra Narain Dwivedi, Swami Sahajanand Saraswati	Organized peasants for fair rents and against zamindari oppression./ किसानों को संगठित किया गया ताकि उचित किराया मिले और ज़मींदारी अत्याचारों का विरोध किया जा सके।

Movement / Revolt	Year(s)	Region	Leader(s)	Main Cause / Features
Bardoli Satyagraha	1928	Gujarat	Sardar Vallabhbhai Patel	Protest against unjust land revenue hike; successful non-violent campaign./ अन्यायपूर्ण भूमि कर वृद्धि के खिलाफ विरोध; यह एक सफल अहिंसक आंदोलन था।
Moplah (Mappila) Revolt	1921	Malabar (Kerala)	Muslim peasants	Against landlords and British officials; linked with the Khilafat Movement./ जमींदारों और ब्रिटिश अधिकारियों के विरुद्ध आंदोलन; खिलाफत आंदोलन से जुड़ा हुआ था।
All India Kisan Sabha (AIKS)	1936	Lucknow	Swami Sahajanand Saraswati, N.G. Ranga	Formation of a national-level peasant organization; demand for land reforms./ राष्ट्रीय स्तर पर किसान संगठन का गठन; भूमि सुधारों की मांग उठाई गई।
Tebhaga Movement	1946–47	Bengal	Kisan Sabha, Bhowani Sen	Sharecroppers demanded two-thirds share of the crop; early communist-led movement./ बंटाईदार किसानों ने उपज में दो-तिहाई हिस्से की मांग की; यह प्रारंभिक कम्युनिस्ट नेतृत्व वाला आंदोलन था।
Telangana Peasant Revolt	1946–51	Hyderabad State (Telangana)	P. Sundarayya, Communist leaders	Against feudal landlords and Nizam's oppression./ जमींदारों और निज़ाम के अत्याचार के खिलाफ विद्रोह हुआ।
Naxalbari Movement	1967	West Bengal	Charu Mazumdar, Kanu Sanyal	Peasant uprising inspired by Maoist ideology; demanded land redistribution./ माओवादी विचारधारा से प्रेरित किसान विद्रोह; भूमि के पुनर्वितरण की मांग की गई।

Question

Q12. Rani Gaidinliu is associated with which of the following movements?

रानी गैदिनल्यू निम्नलिखित में से किस आंदोलन से संबंधित थीं?

SSC Selection Posts XI – 27/06/2023, Shift-I

(a) Nisha Bandish – निशा बंदिश

(b) Heraka – हेरका

(c) Nupi Lan – नुपी लान

(d) Meera Pabi – मीरा पाबी

Solution

Correct Answer : (b) Heraka – हेरका

- **Rani Gaidinliu led the Heraka Movement among the Naga people. / रानी गैदिनल्यू ने नागा जनजाति में हेरका आंदोलन का नेतृत्व किया।**
- **The movement aimed to preserve traditional Naga religion and oppose British rule./ इसका उद्देश्य नागा परंपरागत धर्म की रक्षा और ब्रिटिश शासन का विरोध था।**

Name of Rebellion	Year(s)	Region / Present State	Leader(s)	Cause / Nature
Kol Rebellion	1831–32	Chotanagpur (Jharkhand)	Buddhu Bhagat	Peasants opposed forced cultivation of indigo by European planters./ किसानों ने यूरोपीय नील किसानों द्वारा जबरन नील की खेती का विरोध किया।
Santhal Rebellion	1855–56	Rajmahal Hills (Jharkhand)	Sidhu and Kanhu Murmu	Against zamindars' illegal rents and forced evictions./ ज़मींदारों द्वारा अवैध किराया वसूलने और जबरन बेदखली के खिलाफ आंदोलन किया गया।
Khond Rebellion	1846–62	Odisha (Orissa)	Chakra Bisoi	Revolt against exploitation by moneylenders; led to the Deccan Agriculturists' Relief Act (1879)./ साहूकारों के शोषण के खिलाफ विद्रोह; जिसके परिणामस्वरूप दक्कन कृषक राहत अधिनियम (1879) पारित हुआ।
Paika Rebellion	1817	Khurda (Odisha)	Bakshi Jagabandhu Bidyadhar	Protest against high rents and exploitation by landlords./ उच्च किरायों और ज़मींदारों के शोषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया।
Bhil Rebellion	1818–31	Khandesh (Maharashtra)	Govind Guru (later Bhil leader)	Organized peasants for fair rents and against zamindari oppression./ किसानों को संगठित किया गया ताकि उचित किराया मिले और ज़मींदारी अत्याचारों का विरोध किया जा सके।

Name of Rebellion	Year(s)	Region / Present State	Leader(s)	Cause / Nature
Koya Rebellion	1879–1910	Godavari Region (A.P. & Chhattisgarh)	Tomma Sora, Raja Tamman Dora	Protest against unjust land revenue hike; successful non-violent campaign./ अन्यायपूर्ण भूमि कर वृद्धि के खिलाफ विरोध; यह एक सफल अहिंसक आंदोलन था।
Munda Rebellion (Ulgulan)	1899–1900	Chotanagpur (Jharkhand)	Birsa Munda	Against landlords and British officials; linked with the Khilafat Movement./ जमींदारों और ब्रिटिश अधिकारियों के विरुद्ध आंदोलन; खिलाफत आंदोलन से जुड़ा हुआ था।
Rampa Rebellion	1879–1884	Godavari Hills (Andhra Pradesh)	Tomma Dora	Formation of a national-level peasant organization; demand for land reforms./ राष्ट्रीय स्तर पर किसान संगठन का गठन; भूमि सुधारों की मांग उठाई गई।
Tana Bhagat Movement	1914–1920	Chotanagpur (Jharkhand)	Jatra Bhagat	Sharecroppers demanded two-thirds share of the crop; early communist-led movement./ बंटाईदार किसानों ने उपज में दो-तिहाई हिस्से की मांग की; यह प्रारंभिक कम्युनिस्ट नेतृत्व वाला आंदोलन था।
Heraka Movement	1930s–1940s	Nagaland & Assam Hills	Rani Gaidinliu, Haipou Jadonang	Against feudal landlords and Nizam's oppression./ जमींदारों और निज़ाम के अत्याचार के खिलाफ विद्रोह हुआ।

Question

Q13. Assertion (A): Socio-religious movements of the 19th century resulted in the modernization of India./ अभिकथन (A): 19वीं सदी के सामाजिक-धार्मिक आंदोलनों ने भारत के आधुनिकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।
Reason (R): Rationalism, scientific temper and other such ideas which are the basis of modernization were at the core of the socio-religious movements./ कारण (R): युक्तिवाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ऐसे अन्य विचार जो आधुनिकीकरण के आधार हैं, इन आंदोलनों के केंद्र में थे।

R.A.S./R.T.S. Pre 2016

(a) (R) is true, but (A) is false. – (R) सही है, पर (A) गलत है।
(b) Both (A) and (R) are true, and (R) is the correct explanation of (A). – दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) is true, but (R) is false. – (A) सही है, पर (R) गलत है।
(d) Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A). – दोनों सही हैं पर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Solution

Correct Answer : (b) Both (A) and (R) are true, and (R) is the correct explanation of (A).

- **The 19th-century reform movements introduced rational and modern ideas into Indian society./** 19वीं सदी के सुधार आंदोलनों ने भारतीय समाज में युक्तिवाद और आधुनिक विचारों का प्रवेश कराया।
- **Leaders like Raja Ram Mohan Roy and Dayanand Saraswati promoted scientific outlook and rational thinking./** राजा राममोहन राय और दयानंद सरस्वती जैसे नेताओं ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किक सोच को बढ़ावा दिया।
- **Hence, modernization was the natural outcome./** इसलिए, आधुनिकीकरण इनका स्वाभाविक परिणाम था।

Question

Q14. Which of the following statements is/are correct regarding Brahmo Samaj?

निम्नलिखित में से कौन-से कथन ब्रह्म समाज के संबंध में सही हैं?

1. It opposed idolatry. / इसने मूर्तिपूजा का विरोध किया।

2. It denied the need for a priestly class for interpreting the religious texts. / धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या के लिए पुजारी वर्ग की आवश्यकता से इंकार किया।

3. It popularized the doctrine that the Vedas are infallible. / इसने वेदों को अचूक मानने के सिद्धांत को लोकप्रिय बनाया।

(a) Only 1

(c) Only 3

(d) 1 and 2

(e) 1, 2 and 3

I.A.S. Pre 2012

Solution

Correct Answer : (d) 1 and 2

- **Brahmo Samaj was founded by Raja Ram Mohan Roy (1828)./** ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय (1828) ने की थी।
- **It rejected idol worship and priestly rituals./** इसने मूर्तिपूजा और पुजारी प्रथा का विरोध किया।
- **It focused on monotheism and rational interpretation of religion./** इसने एकेश्वरवाद और तार्किक धार्मिक व्याख्या पर जोर दिया।

Raja Ram Mohan Roy (1772–1833)

Birth / जन्म –

- Born in 1772 at Radhanagar, Hooghly (Bengal)./ 1772 में राधानगर, हुगली (बंगाल) में जन्म हुआ।

Known As / उपाधि –

- "Father of the Indian Renaissance" and "Maker of Modern India."/ "भारतीय पुनर्जागरण के जनक" और "आधुनिक भारत के निर्माता" के रूप में प्रसिद्ध।

Title of 'Raja' / 'राजा' की उपाधि –

- Title of 'Raja' was given by the Mughal emperor Akbar II./ 'राजा' की उपाधि उन्हें मुगल सम्राट अकबर द्वितीय ने प्रदान की थी।

Education / शिक्षा –

- Studied Persian, Arabic, Sanskrit, and English; well-versed in Western philosophy and Indian scriptures./ उन्होंने फ़ारसी, अरबी, संस्कृत और अंग्रेज़ी का अध्ययन किया; वे पाश्चात्य दर्शन और भारतीय धर्मग्रंथों दोनों में निपुण थे।

Major Social Reform / प्रमुख सामाजिक सुधार –

- Led movement for abolition of Sati (1829)./ सती प्रथा उन्मूलन (1829) के आंदोलन का नेतृत्व किया।
- Worked for widow remarriage, women's rights, and education./ विधवा पुनर्विवाह, महिलाओं के अधिकारों और शिक्षा के लिए कार्य किया।

Religious Reform / धार्मिक सुधार –

- Founded Brahmo Samaj (1828) in Calcutta./ 1828 में कलकत्ता में ब्रह्म समाज की स्थापना की।
- Promoted monotheism (belief in one God) and opposed idol worship, caste system, and superstitions./ एकेश्वरवाद का प्रचार किया और मूर्तिपूजा, जाति प्रथा व अंधविश्वासों का विरोध किया।

Educational Reform / शैक्षणिक सुधार –

- **Established Anglo-Hindu School (1822) and promoted Western education./** 1822 में एंग्लो-हिंदू स्कूल की स्थापना की और पाश्चात्य शिक्षा को बढ़ावा दिया।
- **Supported English as a medium of instruction./** अंग्रेज़ी को शिक्षा का माध्यम बनाने का समर्थन किया।

Political Views / राजनीतिक विचार –

- **Advocate of freedom of press, rule of law, and modern constitutional government./** उन्होंने प्रेस की स्वतंत्रता, विधि का शासन और आधुनिक संवैधानिक शासन का समर्थन किया।
- **Submitted petitions for Indian representation in government./** सरकार में भारतीय प्रतिनिधित्व की मांग के लिए याचिकाएँ प्रस्तुत कीं।

Publications / प्रकाशन –

- Started journals like Sambad Kaumudi (Bengali) and Mirat-ul-Akbar (Persian)./ उन्होंने संवाद कौमुदी (बंगला) और मिरात-उल-अखबार (फारसी) जैसे पत्रों की शुरुआत की।

Death / मृत्यु –

- Died in 1833 in Bristol, England while representing India's interests before the British Government./ 1833 में ब्रिस्टल (इंग्लैंड) में भारत के हितों का प्रतिनिधित्व करते हुए उनका निधन हुआ।

QUESTION

Q15. Which of the following Acts was passed in 1856?
निम्नलिखित में से कौन-सा अधिनियम 1856 में पारित किया गया था?

U.P.P.C.S. Pre 2001

(a) Religious Disabilities Act and Sati Prohibition Act – धार्मिक अयोग्यता अधिनियम और सती निषेध अधिनियम

(b) Religious Disabilities Act and Hindu Widow Remarriage Act – धार्मिक अयोग्यता अधिनियम और हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम

(c) Hindu Widow Remarriage Act and Policy of Annexation – हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम और अधिग्रहण नीति

(d) Religious Disabilities Act, Sati Prohibition Act, and Policy of Annexation – धार्मिक अयोग्यता अधिनियम, सती निषेध अधिनियम और अधिग्रहण नीति

SOLUTION

Correct Answer : (b) Religious Disabilities Act and Hindu Widow Remarriage Act – धार्मिक अयोग्यता अधिनियम और हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम

- **Hindu Widow Remarriage Act (1856) legalized widow remarriage./** हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम (1856) ने विधवा विवाह को वैध घोषित किया।
- **It was passed under the efforts of Ishwar Chandra Vidyasagar./** इसे ईश्वर चंद्र विद्यासागर के प्रयासों से पारित किया गया।
- **Religious Disabilities Act (1856) removed restrictions related to caste in civil rights./** धार्मिक अयोग्यता अधिनियम (1856) ने नागरिक अधिकारों में जाति आधारित प्रतिबंधों को समाप्त किया।

Act / Reform / अधिनियम या सुधार	Year / वर्ष	Main Reformer(s) / Supported By / प्रमुख सुधारक / समर्थक	Purpose / Key Feature / उद्देश्य या प्रमुख विशेषता
Abolition of Sati (Sati Regulation Act) / सती प्रथा उन्मूलन अधिनियम	**1829**	Raja Ram Mohan Roy; passed by Lord William Bentinck / राजा राममोहन राय; लॉर्ड विलियम बैंटिंक द्वारा पारित	Declared the practice of Sati illegal and punishable by law. / सती प्रथा को अवैध घोषित किया गया और इसे दंडनीय अपराध बनाया गया।
Hindu Widow Remarriage Act / हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम	**1856**	Ishwar Chandra Vidyasagar; supported by Lord Dalhousie / ईश्वरचंद्र विद्यासागर; लॉर्ड डलहौजी द्वारा समर्थित	Legalized widow remarriage among Hindus. / हिंदू समाज में विधवा पुनर्विवाह को वैध बनाया गया।
Abolition of Slavery Act / दासता उन्मूलन अधिनियम	**1843**	British Parliament (influenced by reformers) / ब्रिटिश संसद (सुधारकों से प्रभावित)	Abolished slavery and bonded labor in British India. / भारत में दासता और बंधुआ मजदूरी को समाप्त किया गया।
Age of Consent Act / सहमति की आयु अधिनियम	**1891**	Behramji Malabari, Indian reformers / बहरामजी मलाबारी और भारतीय सुधारक	Raised the age of consent for girls from 10 to 12 years. / लड़कियों की सहमति की न्यूनतम आयु 10 से बढ़ाकर 12 वर्ष की गई।
Child Marriage Restraint Act (Sarda Act) / बाल विवाह निरोधक अधिनियम (शारदा अधिनियम)	**1929**	Introduced by Harbilas Sarda / हरबिलास शारदा द्वारा प्रस्तुत	Fixed minimum marriage age — 14 years for girls and 18 years for boys. / न्यूनतम विवाह आयु निर्धारित की गई — लड़कियों के लिए 14 वर्ष और लड़कों के लिए 18 वर्ष।
Devadasi Abolition Act (Madras) / देवदासी प्रथा उन्मूलन अधिनियम (मद्रास)	**1947**	Dr. Muthulakshmi Reddy / डॉ. मुथुलक्ष्मी रेड्डी	Abolished the Devadasi system and temple slavery in South India. / दक्षिण भारत में देवदासी प्रथा और मंदिरों की दासता को समाप्त किया गया।

Question

Q16. Which of the following statements is/are correct regarding Arya Samaj and Swami Dayanand Saraswati?/ आर्य समाज और स्वामी दयानंद सरस्वती के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

Statements / कथन:

A. The original name of Swami Dayanand Saraswati was Moolshankar Tiwari. / स्वामी दयानंद सरस्वती का मूल नाम मूलशंकर तिवारी था।

B. Swami Dayanand Saraswati was a native of Gujarat. / स्वामी दयानंद सरस्वती गुजरात के निवासी थे।

C. Arya Samaj was established in the year 1875. / आर्य समाज की स्थापना 1875 में हुई थी।

(a) All A, B and C – सभी A, B और C

(b) Only C – केवल C

(c) Only A – केवल A

(d) Only A and B – केवल A और B

SSC CHSL Tier-II – 26/06/2023

Solution

Correct Answer : (a) All A, B and C – सभी A, B और C

- **The original name of Swami Dayanand was Mool Shankar Tiwari./** स्वामी दयानंद का मूल नाम मूल शंकर तिवारी था ।
- **He was born in Tankara village, Morvi district of Gujarat./** उनका जन्म गुजरात के टंकारा (मोरवी जिला) में हुआ था।
- **Arya Samaj was founded in 1875 at Bombay (Mumbai) to promote Vedic values and social reform./** आर्य समाज 1875 में मुंबई में स्थापित किया गया था ताकि वैदिक मूल्यों और सामाजिक सुधारों को प्रोत्साहन मिले।

Movement / Organization	Year of Foundation	Founder / Leader(s)	Region / Centre	Main Objectives / Features
Dharma Sabha	**1830**	**Radhakanta Deb**	Calcutta (Bengal)	• Orthodox Hindu organization formed to oppose Raja Ram Mohan Roy's reforms—especially the abolition of Sati; defended traditional Hindu practices. / पारंपरिक हिंदू संगठन जो राजा राम मोहन राय के सुधारों—विशेषकर सती प्रथा के उन्मूलन—का विरोध करने के लिए बना; इसने पारंपरिक हिंदू प्रथाओं का समर्थन किया।
Paramhansa Mandali	**1849**	**Dadoba Pandurang, Mehtaji Durgaram, Bal Shastri Jambhekar**	Bombay (Maharashtra)	• One of the earliest reform groups; opposed caste distinctions and promoted women's education and widow remarriage. / प्रारंभिक सुधार समूहों में से एक; इसने जाति भेद का विरोध किया और महिलाओं की शिक्षा व विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा दिया।
Brahmo Samaj	**1828**	**Raja Ram Mohan Roy**; later **Debendranath Tagore, Keshab Chandra Sen**	Calcutta (Bengal)	• Advocated monotheism, abolition of caste, and social reform; opposed idol worship. / एकेश्वरवाद, जाति प्रथा के उन्मूलन और सामाजिक सुधार का समर्थन किया; मूर्ति पूजा का विरोध किया।

Movement / Organization	Year of Foundation	Founder / Leader(s)	Region / Centre	Main Objectives / Features
Tattvabodhini Sabha	**1839**	**Debendranath Tagore**	Calcutta (Bengal)	• Worked for spiritual and moral upliftment; promoted rational understanding of Hinduism; supported Brahmo Samaj ideals. / आध्यात्मिक और नैतिक उत्थान के लिए कार्य किया; हिंदू धर्म की तार्किक समझ को बढ़ावा दिया; ब्रह्मो समाज के आदर्शों का समर्थन किया।
Prarthana Samaj	**1867**	**Atmaram Pandurang**, supported by **M.G. Ranade**, **R.G. Bhandarkar**	Bombay (Maharashtra)	• Promoted monotheism, social equality, widow remarriage, and female education. / एकेश्वरवाद, सामाजिक समानता, विधवा पुनर्विवाह और महिला शिक्षा को बढ़ावा दिया।
Veda Samaj (Theistic Society of Madras)	**1864**	**Influenced by Keshab Chandra Sen**	Madras (Tamil Nadu)	• Preached belief in one God, denounced idol worship, and encouraged social reforms. / एक ईश्वर में विश्वास का प्रचार किया, मूर्ति पूजा की निंदा की और सामाजिक सुधारों को प्रोत्साहित किया।

Movement / Organization	Year of Foundation	Founder / Leader(s)	Region / Centre	Main Objectives / Features
Arya Samaj	**1875**	**Swami Dayanand Saraswati**	Bombay → Lahore	• Based on Vedas; slogan "Go Back to the Vedas"; opposed idol worship and caste; promoted education and women's rights. / वेदों पर आधारित; नारा था "वेदों की ओर लौटो"; मूर्ति पूजा और जाति प्रथा का विरोध किया; शिक्षा और महिला अधिकारों को बढ़ावा दिया।
Dev Samaj	**1887**	**Shiv Narayan Agnihotri**	Lahore (Punjab)	• Emphasized moral conduct, truth, and social-religious purity. / नैतिक आचरण, सत्य और सामाजिक-धार्मिक शुद्धता पर जोर दिया।
Ramakrishna Mission	**1897**	**Swami Vivekananda**	Belur Math (West Bengal)	• "Service to man is service to God"; worked for spiritual upliftment, education, and social service. / "मनुष्य की सेवा ही ईश्वर की सेवा है"; आध्यात्मिक उत्थान, शिक्षा और सामाजिक सेवा के लिए कार्य किया।

Movement / Organization	Year of Foundation	Founder / Leader(s)	Region / Centre	Main Objectives / Features
Theosophical Society	**1875 (New York), 1879 (India)**	**Madame H.P. Blavatsky**, **Col. H.S. Olcott**, later **Annie Besant**	Adyar (Madras)	• Revived ancient Indian religion and philosophy; promoted universal brotherhood. / प्राचीन भारतीय धर्म और दर्शन को पुनर्जीवित किया; सार्वभौमिक भाईचारे को बढ़ावा दिया।
Satya Shodhak Samaj	**1873**	**Jyotirao Phule**	Pune (Maharashtra)	• Fought for social equality, lower-caste upliftment, and women's education. / सामाजिक समानता, निम्न जातियों के उत्थान और महिलाओं की शिक्षा के लिए संघर्ष किया।
Young Bengal Movement	**1820s–1830s**	**Henry Louis Vivian Derozio**	Calcutta (Bengal)	• Advocated rationalism, freedom of thought, and criticism of orthodoxy. / तर्कवाद, विचार स्वतंत्रता और परंपरावाद की आलोचना का समर्थन किया।

Movement / Organization	Year of Foundation	Founder / Leader(s)	Region / Centre	Main Objectives / Features
Aligarh Movement	**1875**	**Sir Syed Ahmad Khan**	Aligarh (U.P.)	• Promoted modern scientific education among Muslims; founded MAO College (later AMU). / मुसलमानों में आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा दिया; एम.ए.ओ. कॉलेज (बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय) की स्थापना की।
Singh Sabha Movement	**1873**	Sikh Reformers of Punjab	Amritsar (Punjab)	• Aimed to revive Sikhism, promote education, and remove superstitions. / सिख धर्म को पुनर्जीवित करने, शिक्षा को बढ़ावा देने और अंधविश्वासों को दूर करने का उद्देश्य रखा।
Ahmadiyya Movement	**1899**	**Mirza Ghulam Ahmad**	Qadian (Punjab)	• Religious reform within Islam; preached monotheism and moral purity. / इस्लाम के भीतर धार्मिक सुधार किए; एकेश्वरवाद और नैतिक शुद्धता का प्रचार किया।

Question

Q17. Who was the founder of the Theosophical Society of India?

थियोसोफिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की संस्थापक कौन थीं?

SSC CGL Tier-1 – 08/09/2016, 1:15 PM

(a) Annie Besant – एनी बेसेन्ट

(b) Womesh Chandra Bannerjee – वोमेश चंद्र बैनर्जी

(c) Ram Prasad Bismil – राम प्रसाद बिस्मिल

(d) Subhash Chandra Bose – सुभाष चंद्र बोस

Solution

Correct Answer : (a) Annie Besant – एनी बेसेन्ट

- **The Theosophical Society did arrive in India in 1879, but it moved its headquarters to Adyar (Madras) in 1882. /** थियोसोफिकल सोसाइटी 1879 में भारत आई थी, लेकिन उसने 1882 में अपना हेडक्वार्टर अड्यार (मद्रास) में शिफ्ट कर लिया था।
- **Founded by Madame H. P. Blavatsky and Col. H. S. Olcott in 1875 in New York, later led by Annie Besant in India./** इसे मैडम ब्लावात्स्की और कर्नल ओल्कॉट ने स्थापित किया, और बाद में एनी बेसेन्ट ने भारत में नेतृत्व किया।
- **It aimed to promote universal brotherhood and spiritual unity of mankind./** इसका उद्देश्य सार्वभौमिक भ्रातृत्व और मानवता की आध्यात्मिक एकता को बढ़ावा देना था।

QUESTION

Q18. Who among the following was the founder of the Aligarh Movement, which was largely responsible for the revival of Muslims in India?

भारत में मुसलमानों के पुनर्जागरण के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी अलीगढ़ आंदोलन के संस्थापक कौन थे?

SSC CGL Tier-I – 13/06/2019, Shift-I / SSC GD 14/12/2021, Shift-I / SSC CGL Tier-I – 18/07/2023, Shift-II

(a) Mirza Ghulam Ahmad – मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद

(b) Muhammad Iqbal – मोहम्मद इक़बाल

(c) Sayyid Ahmad Khan – सर सैयद अहमद ख़ान

(d) Abdul Gaffar Khan – अब्दुल गफ्फार ख़ान

SOLUTION

Correct Answer : (c) Sayyid Ahmad Khan

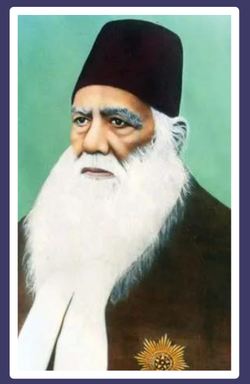

- Sir Syed Ahmad Khan founded the Aligarh Movement to promote modern education among Muslims./ सर सैयद अहमद ख़ान ने मुसलमानों में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु अलीगढ़ आंदोलन शुरू किया।
- He established the Mohammedan Anglo-Oriental College (1875), which later became Aligarh Muslim University (1920)./ उन्होंने मुहम्मदन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज (1875) की स्थापना की, जो आगे चलकर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (1920) बना।
- The movement emphasized rationalism, education, and social upliftment./ इस आंदोलन ने युक्तिवाद, शिक्षा और सामाजिक उत्थान पर बल दिया।

Question

Q19. By whom was the Mohammedan Literary Society established in Calcutta in 1863?

1863 में कलकत्ता में मोहम्मडन लिटरेरी सोसाइटी की स्थापना किसने की थी?

SSC CHSL Tier-1 – 14/08/2023, Shift-IV

(a) Mirza Ghulam – मिर्ज़ा ग़ुलाम

(b) Syed Ahmad – सैयद अहमद

(c) Syed Ahmad Khan – सैयद अहमद ख़ान

(d) Nawab Abdul Latif – नवाब अब्दुल लतीफ़

Solution

Correct Answer : (d) Nawab Abdul Latif – नवाब अब्दुल लतीफ़

- **Nawab Abdul Latif founded the Mohammedan Literary Society in Calcutta in 1863./** नवाब अब्दुल लतीफ़ ने 1863 में कलकत्ता में मोहम्मडन लिटरेरी सोसाइटी की स्थापना की।
- **It worked for educational and social reform among Indian Muslims./** इसने भारतीय मुसलमानों के शैक्षणिक और सामाजिक सुधारों के लिए कार्य किया।
- **The society aimed to promote English education and modern learning./** इसका उद्देश्य अंग्रेज़ी शिक्षा और आधुनिक ज्ञान को बढ़ावा देना था।

Question

Q20. What was the chief objective of the 'Wahabi Movement'?

'वहाबी आंदोलन' का मुख्य उद्देश्य क्या था?

SSC CGL Tier-1 – 01/09/2016, 1:15 PM

(a) Forge cordial relations with the British – ब्रिटिशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाना

(b) Purify Islam – इस्लाम को शुद्ध करना

(c) Improve the condition of women – महिलाओं की स्थिति सुधारना

(d) Adopt rational education – तर्कसंगत शिक्षा अपनाना

Solution

Correct Answer : (b) Purify Islam

Movement / Organization	Year of Foundation	Founder / Leader(s)	Region / Centre	Main Objectives / Features
Faraizi Movement	1804	Haji Shariatullah, later Dudu Miyan	Bengal (Eastern)	• Aimed to purify Islam; opposed un-Islamic practices and British taxes; urged Muslims to perform religious duties (Farz)./ इस्लाम को शुद्ध करने का लक्ष्य रखा; गैर-इस्लामी प्रथाओं और ब्रिटिश टैक्स का विरोध किया; मुसलमानों से धार्मिक कर्तव्य (फ़र्ज़) निभाने का आग्रह किया।
Tariqah-i-Muhammadiya (Wahabi Movement)	1820s–1870s	Syed Ahmad Barelvi, Shah Ismail	North-West India (Rai Bareilly, Patna, NW Frontier)	• Movement for revival of pure Islam based on Quran and Hadith; opposed British rule and un-Islamic customs./ कुरान और हदीस पर आधारित शुद्ध इस्लाम को फिर से ज़िंदा करने का आंदोलन; ब्रिटिश शासन और गैर-इस्लामी रीति-रिवाजों का विरोध किया।

Movement / Organization	Year of Foundation	Founder / Leader(s)	Region / Centre	Main Objectives / Features
Ahmadiyya Movement	**1889**	**Mirza Ghulam Ahmad**	**Qadian (Punjab)**	• Preached Islamic reform, moral purity, and non-violence; believed Mirza was a reformer (Mahdi)./ इस्लामी सुधार, नैतिक पवित्रता और अहिंसा का प्रचार किया; माना कि मिर्ज़ा एक सुधारक (महदी) थे।
Aligarh Movement	**1875**	**Sir Syed Ahmad Khan**	**Aligarh (U.P.)**	• Promoted modern, Western-style scientific education for Muslims; founded Mohammedan Anglo-Oriental College (later AMU)./ मुसलमानों के लिए आधुनिक, पश्चिमी शैली की वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा दिया; मोहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज (बाद में AMU) की स्थापना की।
Deoband Movement	**1866**	**Muhammad Qasim Nanautavi, Rashid Ahmad Gangohi**	**Deoband (U.P.)**	• Promoted Islamic education through Dar-ul-Uloom Deoband; emphasized Quran, Hadith, and opposition to Western influence./ दार-उल-उलूम देवबंद के माध्यम से इस्लामी शिक्षा को बढ़ावा दिया; कुरान, हदीस और पश्चिमी प्रभाव के विरोध पर ज़ोर दिया।

Movement / Organization	Year of Foundation	Founder / Leader(s)	Region / Centre	Main Objectives / Features
Barelvi Movement	Late 19th Century	Ahmad Raza Khan Barelvi	Bareilly (U.P.)	• Emphasized devotion to Prophet Muhammad; supported traditional Sunni practices and Sufi saints./ पैगंबर मुहम्मद के प्रति भक्ति पर ज़ोर दिया; पारंपरिक सुन्नी प्रथाओं और सूफी संतों का समर्थन किया।
Ahl-i-Hadith Movement	Mid-19th Century	Shah Muhammad Hussain Batalvi, Syed Nazir Husain	Punjab & North India	• Advocated a return to Quran and Hadith; rejected taqlid (blind following) and innovations in Islam./ कुरान और हदीस की ओर लौटने की वकालत की; तकलीद (अंधाधुंध पालन) और इस्लाम में नए बदलावों को खारिज कर दिया।
Khilafat Movement	1919–1924	Ali Brothers (Maulana Muhammad Ali & Shaukat Ali), Maulana Abul Kalam Azad	All-India	• Protest against the dismemberment of the Turkish Caliphate; linked with Gandhi's Non-Cooperation Movement./ तुर्की खिलाफत के बंटवारे के खिलाफ विरोध; गांधी के असहयोग आंदोलन से जुड़ा हुआ था।

Movement / Organization	Year of Foundation	Founder / Leader(s)	Region / Centre	Main Objectives / Features
Mujahideen Movement (Part of Wahabi)	**1820s–1830s**	**Syed Ahmad Barelvi**	**North-West Frontier (Balakot)**	Religious and political uprising to establish Islamic rule; ended with Syed Ahmad's death at Balakot (1831)./ इस्लामी शासन स्थापित करने के लिए धार्मिक और राजनीतिक विद्रोह; बालाकोट में सैयद अहमद की मृत्यु (1831) के साथ समाप्त हुआ।

Question

Q21. Who among the following advocated the ideology of “Oru Jati, Oru Matam, Oru Daivam Manushyanu" (one caste, one religion, one God for humankind)?

निम्नलिखित में से किसने “ओरु जाति, ओरु मतम, ओरु दैवम मनुष्यनु” (एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर मानव के लिए) के सिद्धांत की वकालत की थी?

SSC CGL Tier-1 – 19/07/2023, Shift-I

(a) Keshab Chandra Sen – केशवचंद्र सेन

(b) Swami Shraddhanand – स्वामी श्रद्धानंद

(c) Narayana Guru – नारायण गुरु

(d) Birsa Munda – बिरसा मुंडा

Solution

 Correct Answer : (c) Narayana Guru – नारायण गुरु

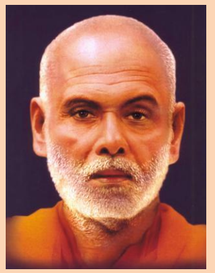

- **Narayana Guru was a great social reformer from Kerala./** नारायण गुरु केरल के एक महान सामाजिक सुधारक थे।
- **He fought against caste discrimination and promoted universal brotherhood./** उन्होंने जाति भेदभाव का विरोध किया और सार्वभौमिक भाईचारे का प्रचार किया।
- **His motto "One caste, one religion, one God for mankind" became the symbol of social equality in Kerala./** उनका नारा "एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर" केरल में सामाजिक समानता का प्रतीक बना।

Solution

Sree Narayana Dharma Paripalana (SNDP) Movement – 1903

- Founder / संस्थापक – Sree Narayana Guru (1856–1928), with Dr. Padmanabhan Palpu./ श्री नारायण गुरु (1856–1928) ने डॉ. पद्मनाभन पाल्पु के साथ मिलकर
- Year & Place / वर्ष एवं स्थान – Founded in 1903, in Kerala./ 1903 में केरल में
- Community / समुदाय –/ Aimed at upliftment of the Ezhava community (backward caste)./ यह आंदोलन एझावा समुदाय (पिछड़ा वर्ग) के उत्थान के लिए प्रारंभ किया गया था।

Slogan / नारा –

"One Caste, One Religion, One God for Mankind."

"एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर – मानवता के लिए।"

Solution

Objective / उद्देश्य –

- End untouchability, promote education, social equality, and self-respect./ अस्पृश्यता का अंत करना, शिक्षा को बढ़ावा देना, सामाजिक समानता स्थापित करना और आत्म-सम्मान को प्रोत्साहित करना।

Event / प्रमुख घटना –

- Aruvippuram Shiva idol installation (1888) challenged Brahmin monopoly in temples./ 1888 में अरुविप्पुरम शिवलिंग की स्थापना ने मंदिरों में ब्राह्मणों के एकाधिकार को चुनौती दी।

Significance / महत्व –

- Paved the way for social reform movements in Kerala like Vaikom Satyagraha./ इस आंदोलन ने केरल में वैकोम सत्याग्रह जैसे सामाजिक सुधार आंदोलनों की नींव रखी।

Question

Q22. Who started the temple entry movement in 1927?

1927 में मंदिर प्रवेश आंदोलन किसने शुरू किया था?

SSC MTS/Havaldar – 04/09/2023, Shift-II

(a) Bhimrao Ambedkar – भीमराव अंबेडकर

(b) Annie Besant – एनी बेसेन्ट

(c) Mahatma Gandhi – महात्मा गांधी

(d) Mahadev Govind Ranade – महादेव गोविंद रणाडे

Solution

Correct Answer : (a) Bhimrao Ambedkar – भीमराव अंबेडकर

- **Dr. B.R. Ambedkar launched the Temple Entry Movement (1927) at Mahad, Maharashtra./** डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 1927 में महाराष्ट्र के महाड में मंदिर प्रवेश आंदोलन शुरू किया।
- **It demanded equal rights for Dalits to enter Hindu temples./** इसने दलितों को मंदिरों में प्रवेश का अधिकार दिलाने की मांग की।
- **The movement was a major step toward social equality and justice./** यह आंदोलन सामाजिक समानता और न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम था।

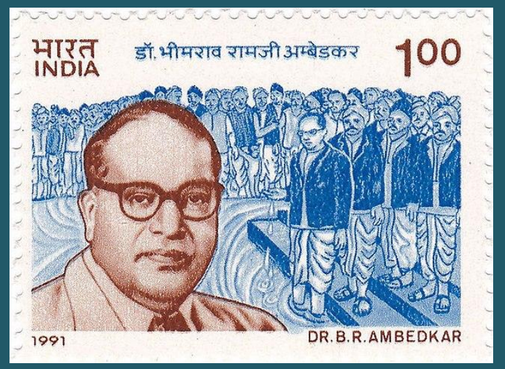

Bahishkrit Hitakarini Sabha (1924) / बहिष्कृत हितकारिणी सभा (1924)

- **Founded by:** Dr. B.R. Ambedkar in Bombay.
- **Aim: Promote education, economic progress, and rights of Depressed Classes./** उद्देश्य: अस्पृश्य (दलित) वर्गों की शिक्षा, आर्थिक प्रगति और अधिकारों को बढ़ावा देना।

Mahad Satyagraha (1927) / महाड़ सत्याग्रह (1927)

- **Place:** Mahad, Maharashtra.
- **Objective: To assert the right of Dalits to draw water from the public Chavdar Tank./** उद्देश्य: दलितों को सार्वजनिक चवदार तालाब से पानी लेने का अधिकार दिलाना।
- **Historic Slogan: "Educate, Agitate, Organize."**
- ऐतिहासिक नारा: "शिक्षित बनो, संगठित बनो, संघर्ष करो।"

Temple Entry Movement (Kalaram Temple Satyagraha, 1930) / मंदिर प्रवेश आंदोलन (कालाराम मंदिर सत्याग्रह, 1930)

- Place: Nashik, Maharashtra.
- Aim: Allow Dalits to enter Hindu temples.
- उद्देश्य: दलितों को हिंदू मंदिरों में प्रवेश का अधिकार दिलाना।
- Significance: Major step towards religious equality./ महत्व: धार्मिक समानता की दिशा में एक बड़ा कदम।

Round Table Conferences (1930–1932) / गोलमेज सम्मेलन (1930–1932)

- Role: Represented Depressed Classes; demanded separate electorates for Dalits./ भूमिका: अस्पृश्य वर्गों का प्रतिनिधित्व किया; दलितों के लिए पृथक निर्वाचक मंडलों की मांग रखी।

Poona Pact (1932) / पूना पैक्ट (1932)

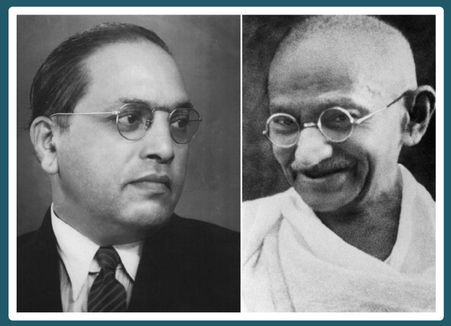

- **Agreement Between: Dr. B.R. Ambedkar and Mahatma Gandhi./** समझौता: डॉ. भीमराव अंबेडकर और महात्मा गांधी के बीच हुआ।
- **Provision: Reserved seats for Depressed Classes in legislatures instead of separate electorates./** प्रावधान: पृथक निर्वाचक मंडलों के स्थान पर विधानसभाओं में दलितों के लिए आरक्षित सीटें तय की गईं।

Independent Labour Party (1936) / स्वतंत्र मजदूर पार्टी (1936)

- **Founded by:** Dr. B.R. Ambedkar.
- **Objective: To fight for workers' and peasants' rights./** उद्देश्य: मजदूरों और किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष करना।

Scheduled Castes Federation (1942) / अनुसूचित जाति महासंघ (1942)

- **Formed by:** Dr. B.R. Ambedkar.
- **Purpose: Political organization to unite Dalits and fight for political representation./** उद्देश्य: दलितों को एकजुट कर उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाना।

Conversion to Buddhism (1956) / बौद्ध धर्म में दीक्षा (1956)

- **Place:** Nagpur, Maharashtra.
- **Event: Dr. Ambedkar and lakhs of followers embraced Buddhism./** घटना: डॉ. अंबेडकर ने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म ग्रहण किया।
- **Significance: Marked the beginning of the Neo-Buddhist Movement for equality and dignity./** महत्व: समानता और गरिमा के लिए नव-बौद्ध आंदोलन की शुरुआत हुई।

Question

Q23. Which of the following was/were the caste movements of India?

निम्नलिखित में से कौन-से भारत के जातिगत आंदोलन थे?

I. Young Bengal Movement / यंग बंगाल आंदोलन

II. Self-Respect Movement / आत्म-सम्मान आंदोलन

III. Theosophical Movement / थियोसोफिकल आंदोलन

IV. Vaikom Satyagraha / वैकोम सत्याग्रह

IB SA 2025

(a) I, II and III – I, II और III

(b) IV only – केवल IV

(c) III and IV only – केवल III और IV

(d) II and IV only – केवल II और IV

Solution

Correct Answer : (d) II and IV only – केवल II और IV

Explanation / व्याख्या:

- **Self-Respect Movement (by E.V. Ramasamy Periyar) opposed caste hierarchy./** आत्म-सम्मान आंदोलन (ई.वी. रामासामी पेरियार द्वारा) ने जाति व्यवस्था का विरोध किया।

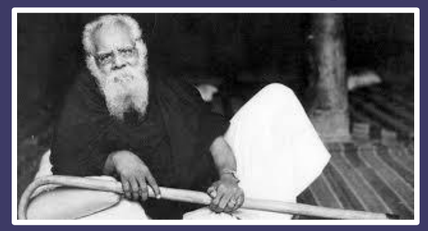

- **Vaikom Satyagraha (Kerala) demanded temple entry for lower castes./** वैकोम सत्याग्रह (केरल) ने निम्न जातियों के लिए मंदिर प्रवेश की मांग की।
- **Young Bengal and Theosophical were reformist but not caste-based movements./** यंग बंगाल और थियोसोफिकल आंदोलन सुधारवादी थे पर जातिगत आंदोलन नहीं।

Question

Q24. Who started the 'Vidhava Vivaha Uttejaka Mandal (Society for Encouragement of Widow Marriage)' in 1865?

1865 में 'विधवा विवाह उत्तेजक मंडल (विधवा विवाह को प्रोत्साहित करने के लिए सोसाइटी)' की शुरुआत किसने की थी?

IB ACIO 2025

A. Ramkrishna Gopal Bhandarkar – रामकृष्ण गोपाल भांडारकर

B. Narayan Ganesh Chandavarkar – नारायण गणेश चंदावरकर

C. Vishnu Parashram Shastri Pandit – विष्णु परशुराम शास्त्री पंडित

D. Vishnushastri Chiplunkar – विष्णुशास्त्री चिपलूनकर

Solution

Correct Answer : C. Vishnu Parashram Shastri Pandit
– विष्णु परशुराम शास्त्री पंडित

- Vishnu Parashram Shastri Pandit founded this social reform society in 1865.
- विष्णु परशुराम शास्त्री पंडित ने 1865 में इस सामाजिक सुधार संस्था की स्थापना की।
- It worked for widow remarriage and female education in Maharashtra.
- इसने विधवा पुनर्विवाह और महिला शिक्षा के लिए कार्य किया।
- The society was part of early social reform movements in western India.
- यह संस्था पश्चिम भारत के प्रारंभिक सामाजिक सुधार आंदोलनों का हिस्सा थी।

THANK
YOU